vinetur

Franciacorta के वक्ताओं ने चेताया कि वाइन क्षेत्र का भविष्य उसके व्यापक परिदृश्य की रक्षा पर टिका है।

Festival Franciacorta में विशेषज्ञों ने योजना संबंधी खामियों, जलवायु दबाव और Torbiere del Sebino आर्द्रभूमि को प्रमुख कसौटियां बताया।

मंगलवार, 22 सितंबर 2026



वक्ताओं ने कहा कि Franciacorta का भविष्य सिर्फ इस पर निर्भर नहीं करेगा कि उसकी दाख़बाड़ियों में क्या लगाया जाता है, बल्कि इस पर भी कि क्षेत्र अपने आसपास के व्यापक परिदृश्य की रक्षा और रूपांतरण कैसे करता है। यह सार्वजनिक चर्चा इस साल के Festival Franciacorta के दौरान उत्तरी इटली के Rodengo Saiano स्थित Cantina in में हुई।

यह बातचीत एक पुराने फ्रांसिस्कन मठ में हुई, जहां Academy Symposium स्थित है, जो खाद्य, वाइन, विपणन और पर्यटन में व्यावसायिक प्रशिक्षण पर केंद्रित एक उच्च तकनीकी संस्थान है। इसमें वाइन लेखक और कला इतिहासकार Armando Castagno, बर्गामो और ब्रेशिया प्रांतों के पुरातत्व, ललित कला और परिदृश्य अधीक्षण की Fiona Colucci, Torbiere del Sebino प्रकृति अभ्यारण्य के अध्यक्ष और ब्रेस्शिया विश्वविद्यालय में हाइड्रोलिक इंजीनियरिंग के प्रोफेसर Marco Pilotti, तथा परामर्श फर्म Studio Agronomico Sata के सह-संस्थापक और कृषि वैज्ञानिक Pierluigi Donna शामिल हुए।

यह आयोजन ऐसे समय हुआ जब Franciacorta, जो इटली के सबसे प्रसिद्ध स्पार्कलिंग वाइन क्षेत्रों में से एक है, आर्थिक गतिविधि, पर्यटन, पर्यावरण संरक्षण, ऐतिहासिक संरक्षण और जलवायु अनुकूलन के बीच संतुलन बनाने के बढ़ते दबाव का सामना कर रहा है। Franciacorta Consortium, जो लोम्बार्डी क्षेत्र की परंपरागत विधि से बनी स्पार्कलिंग वाइनों के लिए इस अपीलेशन की रक्षा करता है और जिसका नेतृत्व Emanuele Rabotti करते हैं, ने परिदृश्य को इस महोत्सव के केंद्रीय विषयों में से एक बनाया।

वक्ताओं ने इस मुद्दे को केवल दाख़बाड़ी प्रबंधन तक सीमित नहीं बताया। Franciacorta में परिदृश्य स्वयं वाइन क्षेत्र की पहचान से जुड़ा है, लेकिन इसे शहरी नियोजन, वास्तुकला, परिवहन, जल प्रणालियों, जैव विविधता, ऐतिहासिक इमारतों और स्थानीय समुदायों तथा आगंतुकों की अपेक्षाओं से भी आकार मिलता है।

Castagno ने कहा कि परिदृश्य को समझने का तरीका अक्सर भूगोल जितना ही कला, फोटोग्राफी और साहित्य से प्रभावित होता है। उन्होंने तर्क दिया कि परिदृश्य केवल एक भौतिक परिवेश नहीं, बल्कि समय के साथ बनी एक सांस्कृतिक छवि भी है। Franciacorta में, उन्होंने कहा, वह छवि अब मजबूती से वाइन उत्पादन और ऐसे क्षेत्र के विचार से जुड़ गई है जहां प्रकृति, शिल्प, स्वाद और स्थानीय ज्ञान एक साथ आते हैं।

यह दृष्टि इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि Franciacorta की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा अब केवल उसकी बोतलों की गुणवत्ता पर निर्भर नहीं है। यह उस क्षेत्र की दृश्य और पर्यावरणीय सुसंगति पर भी निर्भर करती है, जिसे वाइन पर्यटक, निवेशक और निवासी देखते हैं। Castagno ने कहा कि इटली के कुछ कृषि क्षेत्र उत्कृष्ट वाइन और खाद्य उत्पाद बनाते हैं, फिर भी सड़क से गुजरते समय वे स्थान की कोई खास दृश्य अनुभूति नहीं देते। उनके अनुसार, Franciacorta का भविष्य आंशिक रूप से इस पर निर्भर करेगा कि क्या स्थानीय संस्थाएं और उत्पादक परिदृश्य को गौण मुद्दे के बजाय साझा जिम्मेदारी मानते हैं।

Colucci ने कहा कि परिदृश्य संरक्षण को कुछ स्मारकों या दर्शनीय स्थलों को बचाने तक सीमित नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि लोग परिदृश्य को व्यक्तिगत अनुभव और संस्कृति के माध्यम से महसूस करते हैं, लेकिन सार्वजनिक प्राधिकरणों को फिर भी इसके शासन के बारे में व्यावहारिक निर्णय लेने पड़ते हैं। Franciacorta में, उन्होंने कहा, प्रत्यक्ष विरासत संरक्षण के तहत आने वाले क्षेत्र अपेक्षाकृत सीमित हैं, जिसका मतलब है कि अधिकांश जिम्मेदारी नगरपालिका नियोजन उपकरणों के माध्यम से स्थानीय प्रशासन पर आती है।

उन्होंने विशेष रूप से Piano di governo del territorio की ओर इशारा किया, जो लोम्बार्डी की नगरपालिकाओं द्वारा इस्तेमाल किया जाने वाला स्थानीय नियोजन ढांचा है, और इसे विकास को आकार देने का एक महत्वपूर्ण उपकरण बताया। लेकिन उन्होंने कहा कि ऐसे प्लान अक्सर लंबे समझौतों का नतीजा होते हैं, खासकर तब जब ज़मीन मालिक और स्थानीय प्रशासन रणनीतिक रूप से स्थित क्षेत्रों में निर्माण की अनुमति देने के दबाव का सामना करते हैं।

क्षेत्रीय स्तर पर, Colucci ने कहा कि वर्षों के काम के बावजूद लोम्बार्डी के पास अभी भी इटली के संस्कृति मंत्रालय के साथ सहमत कोई पूर्ण परिदृश्य योजना नहीं है। उन्होंने संकेत दिया कि इस व्यापक ढांचे के बिना, नगरपालिका सीमाओं से आगे फैले और अपनी पहचान रखने वाले क्षेत्र में विकास को समन्वित तरीके से प्रबंधित करना कठिन है। उन्होंने यह भी कहा कि Franciacorta की प्राथमिकताओं में ऐतिहासिक कुलीन आवासों और पुरानी इमारतों की रक्षा शामिल होनी चाहिए, जहां सार्वजनिक हस्तक्षेप अक्सर तभी होता है जब अनुचित काम पहले ही शुरू हो चुका होता है।

चर्चा का बड़ा हिस्सा परिदृश्य और पर्यावरण संरक्षण के लिए इतालवी कानूनी ढांचे पर केंद्रित रहा। Castagno ने याद दिलाया कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद लिखे गए इटली के संविधान के अनुच्छेद 9 ने परिदृश्य और ऐतिहासिक एवं कलात्मक विरासत की रक्षा को गणराज्य के मूल सिद्धांतों में शामिल किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव इस दृष्टि को दर्शाता है कि ऐसी सुरक्षा केवल स्थानीय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय जिम्मेदारी होनी चाहिए। वक्ताओं ने यह भी नोट किया कि 2022 में अपनाए गए संवैधानिक संशोधनों ने पर्यावरण, जैव विविधता और पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा को, भविष्य की पीढ़ियों के हित में भी, स्पष्ट रूप से जोड़ा।

Colucci ने कहा कि समय के साथ इतालवी सार्वजनिक नीति में “परिदृश्य” और “पर्यावरण” की अवधारणाओं को अक्सर अलग-अलग माना गया है, जबकि व्यवहार में वे गहराई से जुड़े हुए हैं। Franciacorta जैसे वाइन क्षेत्र के लिए यह भेद बनाए रखना विशेष रूप से कठिन हो जाता है, क्योंकि एक ही भूमि को एक साथ पारिस्थितिक, कृषि, सांस्कृतिक और आर्थिक कार्य करने होते हैं।

Pilotti ने Franciacorta के पास स्थित Torbiere del Sebino के उदाहरण से इस बात को और स्पष्ट किया, जिसे 1984 में प्रकृति अभ्यारण्य घोषित किया गया था और जिसे Ramsar Convention के तहत अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा कि इस अभ्यारण्य का अस्तित्व काफी हद तक मानवीय प्रबंधन पर निर्भर करता है, खासकर जल गुणवत्ता और जल-व्यवस्था नेटवर्क की सुरक्षा पर। कभी पीट और मिट्टी की खुदाई के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला यह क्षेत्र अब जैव विविधता और पर्यटन के लिए मूल्यवान है, और हर साल लगभग 60,000 से 70,000 आगंतुकों को आकर्षित करता है।

Pilotti के लिए, पीट दलदल दिखाते हैं कि क्षेत्र प्राकृतिक और उत्पादक क्षेत्रों को अलग-अलग प्रणालियों के रूप में नहीं देख सकता। उन्होंने कहा कि आर्थिक जीवन अब भी आवश्यक है, क्योंकि लोग भी परिदृश्य का हिस्सा हैं और उसमें बने रहने के लिए उन्हें रोजगार और काम करने वाले समुदायों की जरूरत होती है। चुनौती यह है कि विकास को ऐसे तरीके से आगे बढ़ाया जाए जो उन पर्यावरणीय प्रणालियों को नष्ट न करे जिन पर यह क्षेत्र निर्भर करता है।

Donna ने कहा कि जलवायु परिवर्तन यह भी बदल रहा है कि सुव्यवस्थित दाख़बाड़ी परिदृश्य कैसा दिखना चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्षों तक वाइन उत्पादन में सौंदर्य को अक्सर ज्यामितीय व्यवस्था, समान पंक्तियों और कड़ाई से नियंत्रित खेतों से जोड़ा जाता था। अब उस मॉडल पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि उत्पादक छाया, जैव विविधता और अधिक जटिल पारिस्थितिक प्रणालियों के जरिए अधिक लचीलापन तलाश रहे हैं।

उन्होंने कहा कि यह बदलाव Franciacorta को दाख़बाड़ियों के भीतर और आसपास कृषि वानिकी के रूपों की ओर ले जाने में मदद कर रहा है। दाख़बाड़ी की सीमाओं पर या दाख़बाड़ी प्रणालियों के भीतर पेड़, झाड़ियाँ और हेज़ लगाना गर्मी के प्रभावों को कम कर सकता है, जैव विविधता गलियारे बना सकता है और खेती की गई भूमि को आसपास के जंगलों और अन्य आवासों से जोड़ सकता है। Donna ने इसे कठोर एकल-फसली खेती के विकल्प के रूप में और गर्म तथा कम पूर्वानुमेय जलवायु के अनुकूल होने के लिए क्षेत्र के औजारों में से एक बताया।

Donna के अनुसार, Franciacorta में consortium, wineries, शोध संस्थानों और Fondazione LGH जैसे बाहरी संगठनों के बीच सहयोग का स्तर असाधारण है। उन्होंने कहा कि इस सहयोग ने एक नया बहु-विषयी जोनिंग अध्ययन शुरू करने में मदद की है, जो पारंपरिक मिट्टी और जलवायु विश्लेषण से आगे बढ़कर जैव विविधता के मापन और उर्वरता तथा लचीलापन से जुड़े मिट्टी के जीवों के अध्ययन को शामिल करता है।

उन्होंने कहा कि यह काम ब्रेस्शिया और मिलान के विश्वविद्यालयों के साथ विकसित किया जा रहा है और इसमें पूर्वानुमान मॉडल शामिल हैं, ताकि यह पहचाना जा सके कि 30 या 50 साल बाद किन पौध प्रजातियों के स्थानीय परिस्थितियों के लिए उपयुक्त होने की संभावना है। Donna ने जोड़ा कि शुरुआती कृषि-वनीकरण परियोजनाओं के नतीजों को व्यापक रूप से साझा करना होगा, तभी वे क्षेत्र के बाकी हिस्से के लिए मॉडल बन सकेंगे।

पूरी चर्चा के दौरान वक्ता एक साझा बिंदु पर लौटते रहे: Franciacorta के परिदृश्य को स्थिर नहीं रखा जा सकता, लेकिन

उसे भाग्य के भरोसे भी नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि इसका भविष्य तकनीकी कौशल, दीर्घकालिक योजना और इस सार्वजनिक समझ पर निर्भर करेगा कि दाख़बाड़ियाँ, आर्द्रभूमियाँ, ऐतिहासिक केंद्र और निर्मित परिवेश एक ही क्षेत्रीय प्रणाली बनाते हैं। कई प्रतिभागियों ने युवा पीढ़ियों के प्रशिक्षण के महत्व पर भी जोर दिया और तर्क दिया कि स्कूलों और व्यावसायिक शिक्षा की भूमिका यह तय करने में अहम होगी कि यह क्षेत्र किस दिशा में विकसित होता है।